ISSN 0972-5539

मीना समाचार
MEENA News
भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का प्रकाशन
A PUBLICATION OF FISHERY SURVEY OF INDIA

खंड XXXIV संख्या 1 मुंबई जनवरी - मार्च 2017

I. अनुसंधान क्षेत्र से:

ए) महाराष्ट्र से दूर टूना एवं संबंधित संसाधनों के समृद्ध संभावित मत्स्यन स्थल का रिकार्ड

जनवरी 2017 माह के दौरान, पोत एम एफ बी मत्स्य *वृष्टि* एक मोनोफिलमेंट टूना लाँग लाइनर ने अक्षांश 19° 36.2' उ/देशांतर 68° 50.4' पू के क्षेत्र में 2900 मी गहराई में 25.1.2017 को एकल सेट में कुल 24 नग मछलियां दर्ज की । पकड में येल्लो फिन टूना (*थुन्नस अलबकेरस*) 19 नग, डोलफिन फिश (*कोरिफेना हिप्पुरस*) 3 नग, सिल्की शार्क (*करचरिनस फेलसिफोर्म*) 1नग और बाराकुडा (*स्पाइरेना बारकुडा*) 1 नग शामिल थी । 3.80% कुल हूकिंग दर में से 3.01% हूकिंग दर के साथ पकड में येल्लोफिन टूना (वाई एफ टी) प्रमुख रही । येल्लोफिन टूना की कुल लंबाई 96 से. मी. - 163 से. मी. के बीच और वजन 13 कि.ग्रा - 57 कि. ग्रा के बीच रहा ।

वाइ एफ टी के जैविक अध्ययन से पता चला कि 19 मछलियों में से, 13 मछलियां नर एवं 6 मछलियां मादा पाई गई । मादा की कुल लंबाई 96 से मी-143 से.मी के बीच रही और परिपक्वता के पहले और तीसरे चरण में पाई गई है ।

(श्री ए वी ताम्हाणे, व. वैज्ञानिक सहायक, मुम्बई बेस द्वारा सूचित)

बी) सत्तुणा परियोजना के अंतर्गत बंगाल की खाडी में येल्लोफिन टूना टैग्गिंग

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के चेन्नई बेस से जुडे एक मोनोफिलमेंट लाँग लाइनर *एम एफ बी मत्स्य दृष्टि* ने जनवरी 2017 के दौरान बंगाल की खाडी में पी-सेट पॉप-अप टैग के साथ दो येल्लो फिन टूना (*थुन्नस अलबकेरस*) को सफलतापूर्वक टैग किया । भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण ने महासागर सूचना सेवा के राष्ट्रीय केन्द्र (इनकोइस), हैदराबाद द्वारा निधिबद्ध "भारतीय समुद्र में टूना के प्रवासी स्वरुप पर उपग्रह टेलिमेट्रि अध्ययन" (सत्तुणा) पर परियोजना शुरु की। परियोजना के उद्देश्य टूना मत्स्यन स्थल पर सलाह प्रसारित करके टूना लाँग लाइनर के परिचालन में आर्थिक सुधार करना और टूना प्रवासन, वृद्धि एवं प्रजनन को प्रभावित करते हुए पर्यावरण एवं जैविक पैरामीटर पर बेस लाइन डाटा बेस विकसित करना है । श्री सी बाबु, व. वैज्ञानिक सहायक, डॉ ए. जॉन चेम्बियन, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक और डॉ. किरण एस. माली, व. अनुसंधान अध्येता ने येल्लोफिन टूना को टैग किया था । पी-सेट टैग का ब्यौरा इस प्रकार है:

क्रम सं.	दिनांक एवं समय	टैग आइ डी	आरगोस आइ डी	एफ एल (से. मी)	वजन (कि. ग्रा)	टैगिंग क्षेत्र
1	24.01.2017 15.10 घंटे	131	146408	112	25 (लगभग)	अक्षांश 13°54.8'उ/ देशांतर 81° 00.3'पू
2	16.03.2017 12.35 घंटे	एसटी-एलओटी 252	146426	114	28	अक्षांश 14°06.74'उ/ देशांतर 80°14.10 पू
3	16.03.2017 14.10 घंटे	एसटी-3 डी 195	146401	113	25	अक्षांश 14° 05.4'उ/ देशांतर 80° 31.0'पू
4	20.03.2017 13.30 घंटे	133	146399	150	60 (लगभग)	अक्षांश 14° 59'उ/ देशांतर 81° 55'पू

(श्री सी. बाबु, व. वैज्ञानिक सहायक द्वारा सूचित)

सी.) विशाखापट्टणम के तटीय जल से समृद्ध जेली फिश ब्लूम क्रेम्बिओनेल्ला स्थुलमनी (चुन, 1896) का रिकार्ड

जनवरी से मार्च 2017 के दौरान, पोत *एम एफ वी मत्स्य दर्शिनी* को भारत के उत्तर पूर्वी तट में पेलाजिक संसाधन सर्वेक्षण के लिए परिनियोजित किया गया था । तिमाही के दौरान, जनवरी 2017 माह में विशाखापट्टणम से दूर जेली फ़िश खिलता देखा गया, अक्षांश 17° 46.9′ उ/देशांतर 83° 31.1′पू एवं अक्षांश 17° 45.6 उ/देशांतर 83° 30.5′ पू के बीच के क्षेत्र से 39 मी-42 मी. की गहराई सीमा में कुल 220 कि.ग्रा जेलीफिश दर्ज की गई । इसी तरह, फरवरी 2017 माह के दौरान अक्षांश 18° 01′ उ/देशांतर 83° 51.6′ पू और अक्षांश 18° 05′ उ/देशांतर 83° 59′ पू के बीच के क्षेत्र से 33 मी.-34 मी. गहराई में कुल 50 कि. ग्रा. जेली फिश देखा गया । मार्च 2017 महीने के दौरान अक्षांश 17° 45.6′ उ/देशांतर 83° 40.5′ पू और अक्षांश 17° 57.5′ उ/देशांतर 83° 45.7′ पू के क्षेत्र से 39-51 मी गहराई में जेली फिश खिलता देखा गया । संग्रहित प्रजातियां *क्रेम्बिओनेल्ला स्थुलमनी* (चुन, 1896) के रुप में पहचान की गई ।

इस समूह की वृद्धि मछली पकडने के जाल में बाधा डालकर मात्स्यिकी के साथ हस्तक्षेप करती है । इस प्रकार जेलीफिश की आबादी में बढ़ोतरी से तटीय मात्स्यिकी प्रभावित हो सकती है ।

(श्री के. सिलंबरसन, व. वैज्ञानिक सहायक, डॉ. ए बी कर, मात्स्यिकी वैज्ञानिक और श्री एन. जगन्नाथ, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक, विशाखापट्टणम बेस द्वारा सूचित)

II. बहिर्गमन एवं प्रशिक्षण:

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के मुम्बई बेस एवं चेन्नई बेस द्वारा तमिलनाडु के परम्परागत मछुआरों, को टूना लाँग लाइनिंग पर आयोजित विशेष प्रशिक्षण

भा मा स के चेन्नई बेस ने सिफनेट, चेन्नई एवं मात्स्यिकी विभाग, तमिलनाडु सरकार के सहयोग से और राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड, हैदराबाद की वित्तीय सहायता के साथ 'परम्परागत मछुआरों को टूना लाँग लाइनिंग' पर व्यक्तिगत प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण पर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया । प्रशिक्षण कार्यक्रम दो चरणों में संचालित किया गया था । पहला चरण 3-13 जनवरी 2017 के दौरान संचालित किया गया था और दूसरा चरण 9-17 मार्च 2017 के दौरान संचालित किया गया था । वही प्रशिक्षण कार्यक्रम 09.01.2017 से 13.01.2017 तक मुम्बई में भी *एम एफ बी मत्स्य वृष्टि* पर 1500 मी महराई में प्रति टोकरी 8 हूक्स के साथ 79 टोकरी परिचालित कर संचालित किया गया था । पकड में येल्लो फिन टूना, शार्क, डोलफिन फिश एवं रे फिश शामिल थी ।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षार्थियों को भा मा स. वैज्ञानिकों एवं सिफनेट अनुदेशकों द्वारा सैद्धांतिक व्याख्यान के साथ पढ़ाया गया । प्रशिक्षण के पहले चरण में कुल सात मछुआरों और मात्स्यिकी के दो निरीक्षक, मात्स्यिकी विभाग, तमिलनाडु सरकार ने भाग लिया जबकि दूसरे चरण में पांच मछुआरों ने पोत *एम एफ बी मत्स्य दृष्टि* पर पाँच दिन का व्यावहारिक व्यक्तिगत प्रशिक्षण में भाग लिया । चेन्नई के व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान जनवरी 2017 माह में टूना लाँग लाइन के तीन सेट प्रचालित किए गए और 1890 हूक्स लगाकर 14 मछलियां पकडी गई । 14 मछलियों में से एक सेईल फिश एवं एक किंग फिश के साथ 7 नग येल्लो फिन टूना दर्ज की गई । मार्च 2017 में, टूना लाँग लाइन के तीन सेट प्रचालित किए गए और 1610 हूक्स लगाकर 8 मछलियाँ

पकडी गई। पकड में एक वाहू एवं एक डोलफिन फिश के साथ येल्लोफिन टूना (4 नग) शामिल थी । दर्ज की गई चार टूनों में से पॉप अप पी सेट टैग के साथ दो टूना को टैग किए गए और टैग किए गए जीवित टूना को समुद्र में वापस छोड दिया ।

पाँच दिवसीय प्रशिक्षण अवधि के दौरान, प्रशिक्षतर्थियों को विविध पहलुओं अर्थात् 1) मत्स्य परिचालन प्रक्रियाएं जैसे कि बैटिंग, शूटिंग और हॉलिंग 2) पोत पर टूना के हैंडलिंग और इसके भंडारण 3) नौचालन उपकरणों, डेक उपकरणों आदि के परिचालन 4) पोत पर समुद्री सुरक्षा उपकरणें और अनुसरण की जानेवाली प्रक्रियाएं 5) अग्निशमन उपकरण और उसके उपयोग 6) इंजन रुम उपकरण और सुरक्षा अलार्म आदि 7) टूना एवं संबंधित संसाधनों की जैविक विशेषताओं पर प्रशिक्षित किए गए ।

पोर्ट ब्लेयर बेस द्वारा आयोजित क्षेत्रीय कार्यशाला

स्थानीय मछुआरों के लाभार्थ 30.01.2017 को निलंबूर, भरातंग, उत्तर अंडमान में "अंडमान एवं निकोबार समुद्र के समुद्री मात्स्यिकी संसाधन और पर्यावरण अनुकूल मत्स्यन प्रणालियों" पर एक दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला आयोजित की गई । श्री आर. अलगरसामी, जिला परिषद सदस्य इस अवसर पर मुख्य अतिथि रहे । उद्घाटन सत्र के पहले एक मछुआरा रैली का संचालन किया गया जिसमें स्थानीय मछुआरों ने विशिष्ट अतिथियों के साथ उत्तरदायी मात्स्यिकी के लिए आचार संहिता दर्शाते हुए प्लकार्ड पकड कर भाग लिया जिसे जनता के बीच महत्वपूर्ण प्रशंसा प्राप्त हुआ । तकनीकी सत्र के दौरान, भा मा स वैज्ञानिकों ने विविध पहलुओं पर व्याख्यान दिया । श्री स्वप्निल एस. शिरके, व. वैज्ञानिक सहायक ने "उत्तरदायी मात्स्यिकी के लिए आचार संहिता और समुद्र में लिए जाने वाले सुरक्षा उपायों पर" भाषण दिया । श्री प्रत्युष दास, क. मत्स्यन गियर प्रौद्योगिकीविद ने "पेर्च एवं संबंधित संसाधनों के दोहन के लिए पर्यावरण अनुकूल मत्स्यन प्रणालियाँ और बोट्टम सेट वर्टिकल लाँग लाइन की उपयुक्तता" पर प्रस्तुति बनाई। क्षेत्र के लगभग 100 मछुआरों ने कार्यक्रम में भाग लिया ।

पोत *एम एफ बी मत्स्य दृष्टि* पर मात्स्यिकी आयुक्त तमिलनाडु का दौरा

डॉ. बीला राजेश, आई ए एस, मात्स्यिकी आयुक्त, तमिलनाडु भा मा स के चेन्नई क्षेत्रीय बेस के परामर्शी समूह के अध्यक्ष ने परामर्शी समूह के सदस्यों के साथ 1.2.2017 को *एम एफ बी मत्स्य दृष्टि* का दौरा किया । पोत के स्किपर एवं

अन्य अधिकारियों ने उनका स्वागत किया और पोत पर उपलब्ध सभी नौचालन, इलेक्ट्रोनिक एवं मत्स्यन उपकरणों के संबंध में जानकारी दी । पोत पर उपलब्ध टूना सहित पकड सदस्यों को दर्शाए गए । मात्स्यिकी आयुक्त के अनुरोध पर पोत को मछली पकडने के बंदरगाह जेटी से बाहर ले जाया गया और 28.01.2017 को दो मालवाहक जहाज़ों के टकराव के कारण तेल गिरनेवाले प्रभावों को देखने के लिए एन्नोर, बंदरगाह चेन्नई के बाहरी मुंह में रवाना हुआ । पोत की 30 मिनट तक समुद्री यात्रा के बाद पोत बंदरगाह में लौट आया । आयुक्त ने दौरा के दौरान बेस प्रभारी, वैज्ञानिक, स्किप्पर एवं पोत के अधिकारियों को अपने उत्कृष्ट सहयोग के लिए धन्यवाद दिया ।

भा मा स के विशाखापट्टणम बेस द्वारा आयोजित समुद्री प्रदर्शनी

विशाखापट्टणम बेस कार्यालय परिसर में 2-3 फरवरी 2017 के दौरान केन्द्रीय मात्स्यिकी नाविकी एवं अभियांत्रिकी प्रशिक्षण संस्थान (सिफनेट) एवं

राष्ट्रीय मात्स्यिकी पोस्ट हारवेस्ट प्रौद्योगिकी एवं प्रशिक्षण संस्थान (निफफट्), विशाखापट्टणम के सहयोग से समुद्री प्रदर्शनी 2017 आयोजित की गई । श्री महेश कुमार फरेजिया, महानिदेशक (प्रभारी), भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, मुम्बई इस अवसर पर मुख्य अतिथि रहे । श्री जयंत मुखोपाध्याय, सर्वेक्षण

प्रभारी एवं डी डी जी (तकनीकी), मर्केंटाइल समुद्री विभाग (एम एम डी), विशाखापट्टणम, डॉ. जी. राजेश्वरी, प्रभारी वैज्ञानिक, केन्द्रीय मात्स्यिकी प्रौद्योगिकी संस्थान के क्षेत्रीय केन्द्र (सी आइ एफ टी), विशाखपट्टणम और डॉ. सुभादीप घोष, प्रभारी वैज्ञानिक, केन्द्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान (सी एम एफ आर आई) के क्षेत्रीय केन्द्र, विशाखपट्टणम सम्मानित अतिथि थे । विविध अनुसंधान संस्थान अर्थात् सी आइ एफ टी, सी एम एफ आर आई, एन आई ओ, एम्पीडा और जी एस आई से वैज्ञानिक और अधिकारियों ने प्रदर्शनी का दौरा किया । प्राणी विज्ञान विभाग और समुद्री जीवित संसाधन विभाग, आन्ध्र विश्वविद्यालय, श्री प्रकाश विद्यानिकेतन,. पोल्लोक स्कूल, सेंट जॉन्स स्कूल, पैदा कॉलेज, डॉ. वी. एस. कृष्ण, प्रिसम डिग्री & पी जी कॉलेज, सरकारी जूनियर कॉलेज, श्रीकाकुलम & पी. जी. कॉलेज, वारंगल, आन्ध्र मेडिकल कॉलेज, विशाखापट्टणम से छात्रों, अनुसंधानकर्ताओं और संकाय और प्रिंट एवं इलेक्ट्रोनिक मीडिया से प्रतिनिधियों और आम जनता ने प्रदर्शनी का दौरा किया।

भा मा स के स्टॉल में, मात्स्यिकी सर्वेक्षण पोतों के मॉडल, आन्ध्र प्रदेश के क्राफ्ट एवं गियर, विविधीकृत/पर्यावरण अनुकूल मत्स्यन प्रणालियों, मछली

और मात्स्यिकी के चार्ट, परिरक्षित मछली नमूनों, नौचालन उपकरणें प्रदर्शन पर थे । उत्तरदायी मात्स्यिकी के लिए आचार संहिता (सी सी आर एफ) और समुद्र में सुरक्षा से संबंधित नारे प्रदर्शित किए गए और आगंतुकों को समझाया गया । वहाँ समुद्री पर्यावरण एवं मछली एवं मात्स्यिकी के विभिन्न पहलुओं पर वृत्तचित्र फिल्म शो भी था । सिफनेट के स्टॉल में जीवन बचत उपकरण, पोत के मॉडल, मछली पकडने का जाल के मॉडल, गोताखोरी के उपकरण, और दो स्ट्रोक लाइन इंजन प्रदर्शन शामिल हैं । अपनी गतिविधियाँ दर्शाते हुए विभिन्न पोस्टर भी आगंतुकों के लिए प्रदर्शित किए गए । निफफट के स्टॉल में विविध संगठन की गतिविधियों के अनेक पोस्टर शामिल थे । प्रसंस्करित एवं पैक किए गए समुद्री भोजन जैसे मछली अचार, मछली कटलेट, तली मछली आदि आगंतुको के लिए प्रदर्शित किए गए ।

भा मा स के चेन्नई बेस द्वारा आयोजित क्षेत्रीय कार्यशाला

"तमिलनाडु तट के समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों" पर एक दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला चार गांवों अर्थात् कोकिलामेडु, वेम्पुरुषम, महाबलीपुरम और देवेनेरी के मछुआरों के लाभार्थ 15.02.2017 को महाबलीपुरम, कंचीपुरम जिला के सार्वजनिक हॉल में आयोजित की गई । श्रीमती एन. चन्द्रा, मात्स्यिकी के संयुक्त निदेशक, तमिलनाडु सरकार ने कार्यशाला का उद्घाटन किया । श्री ए. टिबूरशियस, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने मुख्य भाषण दिया जबकि श्री जे. ई. प्रभाकर राज, मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया। श्री डी. राजेश, अध्यक्ष, मछुआरा सहकारी समिति, महाबलीपुरम ने समारोह की अध्यक्षता की । श्री मुरुगन, अध्यक्ष, वेम्पुरुषम मछुआरा सहकारी संघ, श्री के. पी. मदुरै, अध्यक्ष, कोकिलमेडु मछुआरा सहकारी संघ और श्री डी. शिवानंदम, अध्यक्ष, देवनेरी मछुआरा सहकारी समिति को समारोह के दौरान सम्मानित किया गया।

तकनीकी सत्र में, श्री जे. ई. प्रभाकर राज, मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने "तमिलनाडु तट के तलमज्जी संसाधनों" पर व्याख्यान दिया, श्री सी बाबु, व. वैज्ञानिक सहायक ने "टूना ससाधनों" की उपलब्धी पर बोला और डॉ. ए जॉन चेम्बियन, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने "स्वच्छता से मछलियो को संभालने के

महत्व" पर प्रस्तुति बनाई । प्रस्तुति के दौरान मछुआरों ने विशेषकर दूरस्थ जल मत्स्यन, इसकी व्यावहारिक कठिनाइयाँ और घटती मछली स्टॉक पर अधिक सक्रिय रुप से वैज्ञानिकों से बातचीत की ।

स्थान में एक ओपन हाऊस की व्यवस्था भी की गई जहाँ मछली चार्ट, मछलियों के फोटोग्राफ, गियर, गियर उपकरणों जीवन रक्षा उपकरणों के मॉडल भी दर्शाए गए । कोकिलमेडु, देवनेरी, महाबलीपुरम गाँव से लगभग 101 मछुआरों ने कार्याशाला में भाग लिया और इससे लाभ उठाया । श्री एल ए जी जूलियस एडवर्ड, मात्स्यिकी के सहायक निदेशक, काँचीपुरम ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया ।

भा मा स के मार्मुगोवा बेस द्वारा आयोजित क्षेत्रीय कार्यशाला

मार्मुगोवा बेस ने 28.02.2017 को "ओपन हाऊस एवं समुद्री मात्स्यिकी संसाधन प्रदर्शनी" का आयोजन किया । सरकारी हायर सेकेंडरी स्कूल बैना, वास्को द गामा, गोवा से कुल 50 छात्रों एवं 2 अध्यापकों ने ओपन हाउस कार्यक्रम में भाग लिया । छात्रों को पॉवर पॉइंट प्रस्तुति, प्रदर्शनी एवं प्रदर्शन के ज़रिए भा मा स गतिविधियों से परिचित कराया गया ।

आगन्तुकों का दौरा

- श्री टी सुब्रम्हणियम और श्री ए. वी. आर. सुरेश कुमार, सरकारी जूनियर कॉलेज, अमडलवल्सा, श्रीकाकुलम जिला ने 17 इंटर महिला छात्रों के साथ 10.01.2017 को विशाखापट्टणम बेस का दौरा किया । उन्हें संगठानात्मक गतिविधियों के संबंध में जानकारी दी गई ।
- डॉ. वी. नाइटिंगल देवी, और डॉ. ए. सारंग, सहायक प्रोफेसर, मात्स्यिकी कॉलेज, करवर्धा, छत्तीसगढ़ ने 25 छात्रों के साथ 16.01.2017 को विशाखापट्टणम बेस का दौरा किया । उन्हें संगठानात्मक गतिविधियों से अवगत कराया गया ।
- श्री कृष्ण, प्राणी विज्ञान में लेक्चरर, सरकारी जूनियर कॉलेज, श्रीकाकुलम ने 72 छात्रों के साथ 28.01.2017 को विशाखापट्टणम बेस का दौरा किया । उन्हें संगठानात्मक गतिविधियों के संबंध में जानकारी दी गई ।
- डॉ. आर के सारंगी, वैज्ञानिक, सेक, अहम्मदाबाद ने सेक-इसरो की नई योजनाबद्ध समुद्रा परियोजना के अंतर्गत 31.01.2017 को संभावित मछली पकडने का क्षेत्र के पूर्वानुमान पर भा मा स के साथ सहयोगी परियोजना पर प्रस्तुति के लिए भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, मुख्यालय, मुम्बई का दौरा किया ।
- श्री कमल सिंह और श्री राहुल यादव, डीके मरैन सर्वीसस प्रा. लि. मुम्बई ने *एम एफ बी मत्स्य वृष्टि* पर उपलब्ध एस टी डी/सी टी डी मीटर का काम करने की स्थिति जानने हेतु 14.02.2017 को भा. मा. स., मुख्यालय, मुम्बई का दौरा किया और उन्होंने बाज़ार में उपलब्ध एस टी डी/सी टी डी मीटर और समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान प्रबंधन में उनके उपयोग पर प्रस्तुति बनाई ।
- अंडमान एवं निकोबार व्दीप समूह से 11 मछुआरों के साथ एक मात्स्यिकी के निरीक्षक, मात्स्यिकी विभाग, अंडमान एवं निकोबार प्रशासन ने 25.02.2017 को प्रदर्शन दौरे के रुप में चेन्नई बेस का दौरा किया । उनके दौरे के दौरान उन्हें भा मा स अधिदेश और इसकी गतिविधियों के बारे में समझाया गया । उन्होंने गियर अनुभाग का दौरा किया और उन्हें गियर के विविध प्रकार के संबंध में बताया । उन्होंने संस्थान में अपनी यात्रा के दौरान बहुत उत्साह दिखाया था ।
- श्री अजित गायतोंडे, अग्रोमर अंतर्राष्ट्रीय, मुम्बई ने भा मा स. मुख्यालय, मुम्बई का दौरा किया और 03.03.2017 को भारत के पूर्वी तट के चारों ओर मछली एवं मात्स्यिकी पर सूचना संग्रहित की ।
- सिफनेट, चेन्नई और विशाखपट्टणम यूनिट से 82 छात्रों, 9 संकायों ने 08.03.3017 को भा मा स के कोच्चिन बेस से जुडे सर्वेक्षण पोतों, कर्मशाला, आई एल आर सर्वीस स्टेशन का दौरा किया । उन्हें संस्थान की गतिविधियों के संबंध में जानकारी दी गई ।
- मात्स्यिकी कॉलेज, जबलपूर, मध्य प्रदेश, से 27 बी एफ एस सी छात्रों ने 10.03.2017 को विशाखपट्टणम बेस से जुडे पोत का दौरा किया। उन्हें, परिष्कृत नौवहन, इलेक्ट्रोनिक उपकरणों, विभिन्न जाल और सहायक उपकरण प्रदर्शित किए गए ।
- विस्तार गतिविधियों के रुप में एथिराज महिला कॉलेज, एगमोर, चेन्नई के कुल 32 छात्रों और 3 संकाय सदस्यों ने 15.03.2017 को चेन्नई बेस का दौरा किया । उनके आगमन के दौरान उनको भा मा स अधिदेश एवं इसकी गतिविधियों के संबंध में बताया गया । छात्रों ने गियर अनुभाग का दौरा किया और गियर अनुभाग का देखते समय उनको गियर के विभिन्न प्रकार के संबंध में बताया गया ।
- कुफोस, केरल से अनुसंधान छात्रों ने 20.03.2017 को मार्मुगोवा बेस का दौरा किया । उनके आगमन के दौरान छात्रों को भा मा स की गतिविधियों का परिचय करवाया और बेस की तिमाही पत्रिका "संसाधन सूचना अंकावली" के रुप में सूचना प्रदान की गई ।

- 49 बी एफ एस सी छात्रों एवं एक संकाय सदस्य ने कर्मशाला, आई एल आर सर्वीस स्टेशन एम ई डी कोच्चि और सर्वेक्षण पोतों का 21.03.2017 को दौरा किया ।
- श्री अजित गायकवाड, चांद अंतर्राष्ट्रीय-फ्रोजन फिश ठंडा सीफुड निर्यातक ने सीर फिश एवं किंग फिश से संबंधित सूचना एकत्रित करने हेतु 21.03.2017 को भा मा स (मुख्यालय) का दौरा किया ।

III वार्षिक रोसा बैठक 2016-2017:

परिचालन एवं वैज्ञानिक गतिविधियों की वार्षिक समीक्षा बैठक श्री महेश कुमार फरेज़िया, महानिदेशक (प्रभारी) की अध्यक्षता में 17-18 मार्च 2017 के दौरान भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के मार्मुगोवा बेस में आयोजित की गई । अध्यक्ष महोदय ने सौंपें गए सर्वेक्षण क्षेत्र पूरा करने एवं सर्वेक्षण कार्यक्रम लागू करने हेतु अधिकतम प्रयास करने के लिए बेस कार्यालयों को सलाह दी ।

परामर्शदात्री समिति बैठक

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, मुख्यालय, मुम्बई की 18 वी परामर्शदात्री समिति की बैठक श्री महेश कुमार फरेज़िया, महानिदेशक (प्रभारी) की अध्यक्षता में भा मा स, मुख्यालय मुम्बई के सम्मेलन कक्ष में 30.03.2017 को संपन्न हुई । अध्यक्ष महोदय ने समिति के सभी सदस्यों का और भा मा स, मुख्यालय, मुम्बई से अन्य प्रतिभागियों का स्वागत किया । अध्यक्ष ने सदस्यों का ध्यान आकर्षित किया और लागत प्रभावी मत्स्यन की आवश्यकता पर जोर दिया । अध्यक्ष महोदय ने पर्यावरण प्रदूषण एवं किशोर मछलियों की पकड पर अपनी चिंता व्यक्त की और विभिन्न संस्थानों के सभी सदस्यों से इस पहलु पर एक साथ काम करने के लिए अनुरोध किया।

समिति ने परामर्शदात्री समिति की 17वी बैंठक में की गई सिफारिशें लागू करने के लिए की गई कार्रवाई, वर्ष 2016-17 के दौरान सर्वेक्षण पोतों के निष्पादन, संस्थान की विस्तार गतिविधियाँ, समुद्री अभियांत्रिकी प्रभाग के निष्पादन और वर्तमान अनुसंधान परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई । परामर्शदात्री समिति ने संस्थान के प्रस्तावित मात्स्यिकी संसाधन सर्वेक्षण, निर्धारण एवं अनुसंधान कार्यक्रम 2017-18 का अनुमोदन किया ।

IV. राजभाषा कार्यान्वयन:

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

- ➢ राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही समीक्षा बैठक भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, मुख्यालय, मुम्बई में 24.03.2017 को श्री महेश कुमार फरेजिया, महानिदेशक (प्रभारी) की अध्यक्षता में महानिदेशक (प्रभारी) के कक्ष में संपन्न हुई । बैठक में उन्होने सभी अनुभागों के हिन्दी के प्रगामी प्रयोग से संबंधित तिमाही प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा की ।
- ➢ भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के चेन्नई बेस की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक कार्यालयाध्यक्ष के कक्ष में 20.02.2017 को संपन्न हुई ।
- ➢ कोच्चिन बेस कार्यालय की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही समीक्षा बैठक 31.03.2017 को कोच्चिन बेस कार्यालय में संपन्न हुई ।

टोलिक बैठक

कोच्चि की नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की अर्ध वार्षिक बैठक 18.01.2017 को आयकर के मुख्य आयुक्त के कार्यालय, कोच्चि में संपन्न हुई। श्री डी के गुलाटी, क्षेत्रीय निदेशक और श्रीमती लीना टी वी, क. अनुवादक ने बैठक में भाग लिया ।

भा मा स मुख्यालय द्वारा आयोजित हिन्दी कार्यशाला

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, मुख्यालय, मुम्बई द्वारा 20.02.2017 को एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला आयोजित की गई । डॉ. सुनीता यादव, उप निदेशक, क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, नवी मुम्बई को “राजभाषा नियम, राजभाषा अधिनियम 1963 और हिन्दी के प्रगामी प्रयोग से संबंधित तिमाही प्रगति रिपोर्ट तैयार करने के लिए कुछ मार्गदर्शन” पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया । उन्होंने नेमी सरकारी कार्य में राजभाषा कार्यान्वयन के महत्व पर प्रकाश डाला । पच्चीस अधिकारी एवं कर्मचारियों ने कार्यशाला में सक्रिय रुप से भाग लिया ।

बेस कार्यालयों द्वारा आयोजित हिन्दी कार्यशाला

"कार्यालयीन कामकाज़ में हिन्दी का प्रयोग" पर एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला 31.01.2017 को भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का मुम्बई बेस में आयोजित की गई । श्री नरेश कुमार, सहायक निदेशक, केन्द्रीय अनुवाद ब्युरो, बेलापूर, नवी मुम्बई ने दैनंदिन सरकारी कार्य में राजभाषा के महत्व पर व्याख्यान दिया । बेस के सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों ने कार्यशाला में भाग लिया ।

➢ एक हिन्दी कार्यशाला 28.02.2017 को विशाखापट्टणम बेस कार्यालय में आयोजित की गई । प्रोफ. श्रीमती सइद मेहरुन, प्रधान एवं एस ए ओ समन्वयक, हिन्दी विभाग, आन्ध्र विश्वविद्यालय, विशाखपट्टणम इस

अवसर पर विषय विशेषज्ञ रही । उन्होंने "दैनंदिन सरकारी कार्य में हिन्दी अंग्रेजी शब्दावली के अनुवाद" पर व्याख्यान दिया । बेस के अधिकारियों ने कार्यशाला में भाग लिया और यह अत्यधिक ज्ञानवर्धक था ।

➢ पोर्ट ब्लेयर बेस ने क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान केन्द्र, पोर्ट ब्लेयर के सहयोग से 03.03.2017 को हिन्दी कार्यशाला आयोजित की । डॉ. एन लक्ष्मी, असोसिएट प्रोफेसर, हिन्दी विभाग, जे एन आर एम कॉलेज, पोर्ट ब्लेयर इस अवसर पर विषय विशेषज्ञ रही ।

➢ कोच्चिन बेस ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए 21.03.2017 को एक हिन्दी कार्यशाला आयोजित की गई । श्रीमती लता के. वी. व. अनुवादक, आयकर कार्यालय संकाय थी । 03 अधिकारियों एवं 12 कर्मचारियों ने कार्यशाला में भाग लिया ।

➢ मार्मुगोवा बेस ने "राजभाषा हिन्दी पर" हिन्दी कार्यशाला 23.03.2017 को मार्मुगोवा बेस में आयोजित की । सुश्री शीना के. पी., क. अनुवादक, भारतीय तटरक्षक, गोवा कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ रही । श्री एस. के. जायसवाल, यांत्रिक समुद्री अभियंता ने सभा का स्वागत किया और दैनंदिन सरकारी कार्य में और अपने उपयोग के लिए ज्ञान का उपयोग करने का आग्रह किया । अधिकारी एवं कर्मचारी सदस्यों ने कार्यशाला में सक्रिय रुप से भाग लिया ।

पुरस्कार

मार्मुगोवा बेस को राजभाषा विभाग द्वारा 30.01.2017 को उदयपूर, राजस्थान में संपन्न मध्य एवं पश्चिम हिन्दी संयुक्त सम्मेलन में केन्द्रीय सरकारी कार्यालयों के बीच दूसरा स्थान के लिए एक शील्ड एवं एक प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया ।

V. महानिदेशक (प्रभारी) की बैठकों/सम्मेलनों में भागीदारी:

◆ एम एफ बी मत्स्य वर्षिनी के लिए जनरेटरों के साथ नया ऑक्सिलरी इंजन की खरीद के संबंध में समिति की बैठक 12.01.2017 को भा मा स के कोच्चि बेस, कोच्चि में ।

◆ पोत एम एम बी ब्लू मार्लिन के शुष्क गोदीकरण मरम्मतों के संबंध में महाप्रबंधक, कोच्चिन शिपयार्ड लि. के साथ बैठक ।

◆ भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के विशाखापट्टणम बेस द्वारा 02.02.2017 को विशाखपट्टणम में आयोजित 'समुद्री प्रदर्शनी' के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में ।

◆ मात्स्यिकी सेक्टर में कौशल विकास पर 08.02.2017 को नई दिल्ली में बैठक ।

◆ इनकोइस, हैदराबाद में 6 मार्च 2017 को सत्तुणा परियोजना की अंतिम समीक्षा बैठक ।

VI. प्रशिक्षण/संगोष्ठी/कार्यशाला/परिसंवाद/बैठकों/सम्मेलनों में भागीदारी:

- डॉ. एस. रामचन्द्रन, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने मात्स्यिकी निदेशक, केरल सरकार द्वारा 03.01.2017 को तिरुवनंतपुरम में महासागर सूचना सेवा एवं सौर ऊर्जा जेनरेटर पर उच्च स्तरीय समिति की बैठक में भाग लिया ।
- श्री एन. जगन्नाथ, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक और श्री एम गोविंद राव, रेडियो टेलिफोन ऑपरेटर ने 06.01.2017 & 08.01.2017 के दौरान गीतम विश्वविद्यालय, विशाखापट्टणम में संपन्न चौथा अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी सम्मेलन में भाग लिया ।
- श्री जी वी ए प्रसाद, क. मात्स्यिकी वैज्ञानक ने 06.01.2017 को राष्ट्रीय मात्स्यिकी पोस्ट हारवेस्ट प्रौद्योगिकी और प्रशिक्षण संस्थान, विशाखापट्टणम में संपन्न निविदा समिति की बैठक में भाग लिया ।
- श्री जी वी ए प्रसाद, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने 21.01.2017 को केन्द्रीय मात्स्यिकी प्रौद्योगिकी संस्थान, विशाखापट्टणम में संपन्न पणधारियों की बैठक में भाग लिया ।
- श्री स्वप्निल एस शिरके, और श्री नशद एम., व. वैज्ञानिक सहायक ने सी आई ए आर आई, पोर्ट ब्लेयर में 24-25 जनवरी 2017 को 'जैव सूचना विज्ञान में हाल के रुझान' पर दो दिवसीय प्रशिक्षण एवं कार्यशाला में भाग लिया ।
- श्री जी वी ए प्रसाद, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने 08.02.2017 को हॅटिल फोरच्यूण इन्न श्री कन्या, विशाखापट्टणम, आन्ध्र प्रदेश में 'आन्ध्र तट पर विशेष जोर के साथ तटीय प्रक्रिया और समुद्र तट के क्षरण पर हाल की प्रगति और भविष्य के अध्ययन' पर एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
- श्री संजीव कुमार सिंह, आशुलिपिक ग्रेड-।। और शुभ्रजित दास, आशुलिपिक ग्रेड-।।, भा. मा. स., मुख्यालय, मुम्बई ने 08.02.2017 को क्षेत्रीय प्रशिक्षण केन्द्र, मुम्बई में 'भविष्य स्कीम' पर संपन्न प्रशिक्षण में भाग लिया ।
- श्री जी वी ए प्रसाद, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने 06.03.2017 को और 22.03.2017 को क्रमश: निफफट, विशाखापट्टणम में निविदा समिति की बैठक में भाग लिया ।
- श्री एन. उन्निकृष्णन, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने 09.03.2017 एवं 21.03.2017 को एम्पीडा मुख्यालय, कोच्चि में मत्स्यन पोत पर फिश होल्ड निर्माण के लिए वित्तीय सहायता हेतु विशेषज्ञ समिति की बैठक में भाग लिया ।
- श्री ए. एस. कदम, मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने कृषि विस्तार के लिए सामूहिक मीडिया समर्थन स्कीम के अंतर्गत दूरदर्शन मुम्बई के कृषि दर्शन कार्यक्रम की कृषि सलाहाकार समिति की तिमाही बैठक में भाग लिया । बैठक 10 मार्च 2017 को विस्तार शिक्षा निदेशालय, डॉ. बालासाहेब सांवत कोंकण कृषि विद्यापीठ, डपोली, रत्नागिरी, महाराष्ट्र में संपन्न हुई ।
- श्री टाटा सुधाकर, वैज्ञानिक एफ, एन आई ओ टी, चेन्नई ने विभिन्न महासागरीय पैरामीटर संग्रहित करने हेतु महासागरीय ड्रिफ्टर के विभिन्न प्रकार, कार्यों की उसकी रुपरेखाओं पर चर्चा करने हेतु भा मा स (मुख्यालय) का दौरा किया ।
- श्री अजित गायकवाड, चांद अंतर्राष्ट्रीय- फ्रोजन फिश एवं ठंडा सीफुड निर्यातक ने सीर फिश एवं किंग फिश से संबंधित सूचना एकत्रित करने हेतु 21.03.2017 को भा मा स (मुख्यालय) का दौरा किया ।
- श्री नशद एम., वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक ने 23 से 25 मार्च 2017 के दौरान भारतीय प्राणी विज्ञान सर्वेक्षण, पोर्ट ब्लेयर में 'भारत के तटीय और समुद्री जैव विविधता की मुख्य धारा' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया ।
- डॉ. ए. बी. कर, मात्स्यिकी वैज्ञानिक और जी वी ए प्रसाद, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने 24.03.2017 को निफफट, विशाखापट्टणम में निविदा समिति की बैठक में भाग लिया ।

VI) प्रशासनिक समाचार:

नियुक्ति

- श्री प्रेमदास वी. बी. को स्लिपवे वर्कर ग्रेड. ।। के रुप में 02.02.2017 को एम ई डी में नियुक्त किया गया ।

पदोन्नति/स्थानांतरण

- श्री जे. ई. प्रभाकर राज, मात्स्यिकी वैज्ञानिक को कोच्चिन बेस से भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के चेन्नई बेस में 12.01.2017 को स्थानांतरित किया गया और 13.01.2017 को ड्यूटी के लिए रिपोर्ट की ।
- श्री पी. तमिलरसन, मात्स्यिकी वैज्ञानिक को भा मा स के चेन्नई बेस से भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के कोच्चिन 13.01.2017 को बेस में स्थानांतरित किया गया और उनको 23.01.2017 को ड्यूटी के लिए रिपोर्ट की ।
- श्री जे. ई. प्रभाकर राज, मात्स्यिकी वैज्ञानिक को व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक के पद पर 01.02.2017 के प्रभाव से पदोन्नत किया गया ।
- डॉ. सिजो पी वर्गीस, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक को भा मा स के कोच्चिन बेस से पोर्ट ब्लेयर बेस में 24.03.2017 को स्थानांतरित किया गया और 4.04.2017 को ड्यूटी के लिए रिपोर्ट की ।
- श्री एच डी प्रदीप, मात्स्यिकी वैज्ञानिक को भा मा स के पोर्ट ब्लेयर बेस से भा मा स के मार्मुगोवा बेस में 31.03.2017 को स्थानांतरित किया गया और 3..4.2017 को ड्यूटी के लिए रिपोर्ट की ।

सेवा निवृत्ति

- श्री जे. जी. ओहोल, सहायक लेखा अधिकारी, भा. मा. स. मुख्यालय, मुम्बई, अधिवर्षिता पर 31.03.2017 को सेवानिवृत्त हुए ।

संकलनकर्ता : कुमारी राजश्री बी सनदी और श्री ए शिवा, **संपादक** डा. विनोद कुमार मुडुमाला और डा अंशुमान दास,
हिन्दी अनुवाद; श्रीमती मीरा वेल्लेन राजीव, **सचिवीय सहायता**; श्री विशाल खरात, **प्रकाशक**: श्री एम के फरेजिया, महानिदेशक (प्रभारी),
भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, भारत सरकार, कृषि एंव किसान कल्याण मंत्रालय, न्यू फिशिंग जेट्टी, ससून डॉक, कुलाबा मुम्बई-400 005,
तार मीना वेबसाईट: htttp:/fsi.gov.in दूरभाष 022 - 2215 1865/66 फैक्स: 022 - 22188 221
मुद्रक ऑनलूकर प्रेस, मुम्बई. दूरभाष 022-22182939/3544